बिज़नेस भास्कर
Business Standard और TheEconomist की खबरों के साथ   इंदौर, शनिवार 31 अक्टूबर, 2026 | 09

तिमाही नतीजे • पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से तेल-केमिकल से आय 68% बढ़ी

महंगे तेल का फायदा... रिलायंस का मुनाफा 41% बढ़ा, रिटेल का 24% घटा

एबिटा वृद्धि का 85% सिर्फ तेल-केमिकल कारोबार से

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जियो की शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद शुक्रवार को पहला तिमाही नतीजा पेश किया। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कंपनी का जुलाई-सितंबर में शेयरधारकों के हिस्से का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा एकबारगी 40.6% बढ़कर 25,548 करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल समान तिमाही में यह 18,165 करोड़ रुपए ही था।

बीती तिमाही बिजनेस ऑपरेशंस से कंपनी की आय करीब 29% बढ़कर रिकॉर्ड 3.32 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गई। मुनाफे में बढ़ोतरी को सबसे बड़ा सहारा तेल-केमिकल (ओ2सी) बिजनेस बना। होर्मुज संकट के बीच ग्लोबल सप्लाई बाधित होने की वजह से पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के मार्जिन बढ़े। जियो की बढ़ती कमाई भी मददगार बनी। हालांकि रिटेल की बिक्री बढ़ने के बावजूद उसका मुनाफा 24% घट गया। बहरहाल, ग्रुप का एबिटा (सारे खर्च निकालकर कमाई) बढ़कर 62,409 करोड़ रुपए रहा। इसमें 12,042 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। अकेले तेल-केमिकल कारोबार का एबिटा 10,195 करोड़ रुपए बढ़ा। यह समूह की कुल एबिटा वृद्धि के 84.7% के बराबर है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज • सितंबर तिमाही के नतीजे (कंसॉलिडेटेड) एक नजर में

मापदंड	Q2 FY27	Q2 FY26	अंतर
ऑपरेटिंग आय	3,32,861	2,58,898	28.6%
टैक्स पूर्व लाभ	38,613	29,124	32.6%
ऑपरेटिंग मार्जिन	11.4%	11.1%	0.3pp
शुद्ध मुनाफा	25,548	18,165	40.6%

(आंकड़े करोड़ रुपए में, pp = परसेंटेज पॉइंट) स्रोत: कंपनी फाइलिंग

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 30 सित. 2026 तक 16.07 लाख करोड़ रुपए था।

किस कारोबार से कितनी कमाई हुई

कारोबार	तिमाही एबिटा	सालाना बदलाव
रिलायंस समूह	62,409	▲ 23.9%
तेल-केमिकल	25,203	▲ 67.9%
जियो प्लेटफॉर्म्स	21,879	▲ 16.6%
रिलायंस रिटेल*	6,228	▼ 8.6%
तेल एवं गैस	4,901	▼ 2.0%

रिटेल का आंकड़ा 108 करोड़ रुपए के एकमुश्त संपत्ति मूल्यह्रास चार्ज से पहले। चुनिंदा कारोबारों का जोड़ समूह के कुल के बराबर नहीं है। (आंकड़े करोड़ रुपए में)

रिटेल • 303 नए स्टोर खोले, 525 बंद भी किए; मुनाफा घटकर 2,611 करोड़

रिलायंस रिटेल ने तिमाही में 303 नए स्टोर खोले, लेकिन कुल संख्या 222 घटकर 19,947 रह गई। यानी करीब 525 स्टोर बंद किए। कंपनी ने कम उत्पादक स्टोर बंद करने की बात कही है। संचालित स्पेस 7.84 करोड़ से घटकर 7.75 करोड़ वर्गफुट रहा। सकल बिक्री 6.4% बढ़कर 91,716 करोड़ रुपए हुई। लेकिन सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों का हिस्सा मिलाकर मुनाफा 24.3% घटकर 2,611 करोड़ रुपए रहा। परिचालन एबिटा 11.1% घटा, जबकि वित्तीय लागत 53.9% बढ़ी।

जियोमार्ट • हर ऑर्डर में सामान 24% बढ़े; 1,000+ शहरों में 5,000+ स्टोर

बीती तिमाही जियोमार्ट की आय 42% और प्रति ऑर्डर सामान की संख्या 24% बढ़ी। कंपनी के मुताबिक, मुफ्त डिलीवरी ने बड़ी खरीदारी को प्रोत्साहित किया। नेटवर्क 1,000 से ज्यादा शहरों के 5,000 से ज्यादा स्टोरों तक है।

जियो • शुद्ध कर्ज 79% घटा, मुनाफा 13.7% बढ़कर 8,387 करोड़ रुपए

जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध मुनाफा 13.7% बढ़कर 8,387 करोड़ रुपए हो गया। परिचालन आय 11.4% बढ़कर 40,475 करोड़ और एबिटा 16.6% बढ़कर 21,879 करोड़ रुपए रहा। एबिटा मार्जिन 51.6% से बढ़कर 54.1% तक पहुंच गया। हालांकि मुनाफा एबिटा से धीमा बढ़ा। सितंबर के अंत तक जियो का शुद्ध कर्ज 78.6% घटकर 8,822 करोड़ रुपए रह गया। यह सालाना आधार पर निकाले गए एबिटा का करीब 0.10 गुना ही है। ये आंकड़े आईपीओ राशि के असर से पहले के हैं।

कच्चे माल की बेहतर खरीद और सही बाजारों में बिक्री से मार्जिन बढ़ा: अंबानी

ईंधन की तंग आपूर्ति, पेट्रोकेमिकल मार्जिन में सुधार और मजबूत घरेलू मांग से तेल-केमिकल बिजनेस का प्रदर्शन सुधरा। कच्चे माल की खरीद और प्रोडक्ट की बिक्री के लिए बेहतर विकल्प चुनने की क्षमता से ज्यादा मार्जिन हासिल करने में मदद मिली।



- मुकेश अंबानी, चेयरमैन

मामला गंभीर • सर्च में ऊपर कौन, फैसला पैसे से तो नहीं...जांच जारी

रिश्वत दो, सबसे ऊपर दिखो; फ्लिपकार्ट कर्मियों पर 150 करोड़ कमाने का आरोप

भास्कर न्यूज़ | बेंगलुरु

ऑनलाइन शॉपिंग में जो प्रोडक्ट सबसे पहले दिखते हैं, वे ज्यादा बिकते हैं। फ्लिपकार्ट पर आरोप है कि इसी (विजिबिलिटी) के बदले उसके कर्मचारियों ने विक्रेताओं से ₹150 करोड़ से ज्यादा की रिश्वत ली।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लिपकार्ट की प्रमोटर अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट ने व्हिसलब्लोअर की शिकायत के बाद जांच शुरू की है। आरोप स्मार्टफोन और लगेज-ट्रैवल एक्सेसरीज (एलटीए) विभागों के कर्मचारियों पर हैं। कुछ कर्मचारियों ने ब्रांड्स से फायदा लेकर उनके सेलर्स को प्लेटफॉर्म पर ज्यादा विजिबिलिटी दिलाई, जिससे उनकी बिक्री बढ़ी। जांच जारी है। रकम और गड़बड़ी की सही प्रकृति अगले कुछ हफ्तों में साफ होगी, जिसके बाद वॉलमार्ट कार्रवाई करेगी। हालांकि इस मामले में वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट से आधिकारिक रूप से अब तक कुछ भी नहीं कहा गया है।

सबक: जो प्रोडक्ट ऊपर है, जरूरी नहीं कि बेहतर भी हो-रिपोर्ट में ग्राहकों के नुकसान का सीधा जिक्र नहीं, पर आरोप सही होने पर असर गंभीर है। ग्राहक सर्च में ऊपर दिखने वाले प्रोडक्ट को बेहतर मानकर खरीदते हैं। यदि यह स्थान पैसे लेकर दिया गया हो, तो सस्ते विकल्प पीछे छूट जाते हैं।

चिंता: रिश्वत छोटी, लेकिन गवर्नेंस को लेकर उठे सवाल-वॉलमार्ट के पास फ्लिपकार्ट की 80% से ज्यादा हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2026 में फ्लिपकार्ट की 1.46 लाख करोड़ की आय के सामने 150 करोड़ रुपए मामूली (0.1%) हैं, फिर भी कंपनी के कामकाज के तौर-तरीकों पर सवाल उठ रहे हैं।

कैसे चला रिश्वत का खेल...बी2बी रास्ते का इस्तेमाल

रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों ने ज्यादातर बी2बी रास्ते का फायदा उठाया। जब मोबाइल फोन एक बिजनेस से दूसरे बिजनेस के पास जा रहे थे, तब कुछ कर्मचारियों ने मोबाइल वेंडर्स से कमीशन लिया। बदले में उन्हें प्लेटफॉर्म पर ज्यादा विजिबिलिटी मिली। फ्लिपकार्ट का बी2बी बिजनेस दो चैनलों से चलता है: फ्लिपकार्ट होलसेल (किराना, एमएसएमई के लिए) और मार्केटप्लेस सेलर्स के लिए बी2बी सेल्स प्रोग्राम।

3 साल में तीसरी जांच: कंपनी में फिर गड़बड़ी का आरोप

कब	विभाग	नतीजा
ढाई साल पहले	एलटीए	कम से कम 3 कर्मचारी बर्खास्त
6 महीने पहले	स्मार्टफोन	1 कर्मचारी दोषी, कार्रवाई से पहले इस्तीफा
अब	स्मार्टफोन, एलटीए	रिश्वत का आरोप, जांच जारी

नोट: पहली दो जांचों की जानकारी पहले सार्वजनिक नहीं हुई थी।

• 14 वाइस प्रेसिडेंट और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बीते एक साल में कंपनी छोड़ चुके हैं।

स्विगी का उल्टा दांव; स्टोर नहीं, कमाई बढ़ाएगी

मुंबई | क्विक कॉमर्स सेक्टर में प्रतिद्वंद्वी जहां स्टोर बढ़ाने की होड़ में हैं, वहीं स्विगी ने उलटा रास्ता चुना है। उसका जोर नए स्टोर से ज्यादा मौजूदा स्टोर से अधिक ऑर्डर निकालने पर है। ब्लिंकिट ने सितंबर तक 308 नए स्टोर जोड़कर नेटवर्क 2,751 कर लिया। उसका लक्ष्य मार्च 2028 तक 5,000 स्टोर का है। इसके उलट इंस्टामार्ट 130 से ज्यादा शहरों से आगे नहीं बढ़ेगा। जिस स्टोर पर रोज करीब 2,000 ऑर्डर पहुंचते हैं, उसके आसपास ही नया स्टोर खोला जाएगा। हर तिमाही नेटवर्क का 5-7% हिस्सा इस सीमा के पास पहुंचता है। बीती तिमाही प्रति स्टोर रोजाना ऑर्डर करीब 10% बढ़े, पर ब्लिंकिट से प्रति स्टोर ऑर्डर वैल्यू में ₹50% का अंतर बना हुआ है। फूड डिलीवरी में भी यही सावधानी है। सस्ती डिलीवरी वाली एप टोइंग का अनुमानित सालाना घाटा ₹400 करोड़ रुपए और आय ₹500 करोड़ रुपए है। सीईओ श्रीहर्ष मजेटी इसे परखने के लिए एक-दो तिमाही और चाहते हैं।

टाटा संस की लिस्टिंग: नोएल, चंद्रशेखरन के बीच हुई बैठक

भास्कर न्यूज़ | मुंबई. टाटा समूह के ढांचे और होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच मतभेद अब बोर्ड तक पहुंच गए हैं। इस बीच दोनों ने 25 अक्टूबर को गुपचुप बैठक की। यह बैठक समूह के पुराने दिग्गज एन.ए. सूनावाला ने कराई। इसमें लिस्टिंग, शापूरजी पल्लोनजी (एसपी) समूह की हिस्सेदारी की खरीद और चंद्रशेखरन के कार्यकाल पर चर्चा हुई, पर कथित तौर पर कोई नतीजा नहीं निकला।

बहरहाल, नोएल ने टाटा संस के बोर्ड से आरबीआई के 11 सितंबर के पत्र पर चर्चा की मांग उठाई है। इसमें आरबीआई ने टाटा संस का रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने की अर्जी ठुकरा दी और एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) के नियम मानने को कहा। नोएल टाटा संस को अनलिस्टेड रखने के लिए कानूनी सलाह और अगले कदमों पर प्रस्तुति चाहते हैं। नोएल ने एसपी समूह की शेयर बायबैक की मांग पर बोर्ड में वोटिंग की मांग की है।

बिजनेस प्लस

डी पी ज्वेलर्स लिमिटेड के पहले फ्रेंचाइज़ी शोरूम का जबलपुर में भव्य शुभारंभ, बना ग्राहकों की पहली पसंद



इंदौर | डी पी ज्वेलर्स के पहले फ्रेंचाइजी शोरूम का शुभारंभ जबलपुर में हुआ। इस अवसर पर डीपी ज्वैलर्स के फाउंडर रतनलाल कटारिया, डायरेक्टर अनिल कटारिया, विकास कटारिया, डी पी ज्वेलर्स जबलपुर के फ्रेंचाइज़ी ऑनर मनोज खण्डेलवाल और डी पी परिवार के सदस्यगण उपस्थित रहें। मनोज खण्डेलवाल ने बताया कि यह शोरूम ग्राहकों की पसंद, सहूलियत को ध्यान में रखते हुए और बड़ी संख्या में ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर बनाया गया है। रतनलाल कटारिया ने बताया कि हम अपनी 86 साल पुरानी, रतलाम की शुद्धता की विरासत के साथ अपना 14वां शोरूम जबलपुर में खोला है। अनिल कटारिया ने कहा कि ब्रांड इमेज के लिए आवश्यक सभी पहलुओं पर डी. पी. ज्वेलर्स ने खुद को साल दर साल साबित किया है। संतोष कटारिया ने बताया कि ग्राहकों के विश्वास की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अनुभवी शैली और आधुनिक विचारों के साथ आज डी. पी. ज्वेलर्स विभिन्न शहर के ग्राहकों में चर्चित ब्रांड है। विकास कटारिया ने बताया कि किसी भी कंपनी की मार्केट वैल्यू उसके ग्रोथ प्लान, बाजार में उसके योगदान पर निर्भर करती है। ग्राहकों को BIS, HUID व IGI प्रमाणित आभूषण उनके बजट, पसंद और आवश्यकताओं के अनुसार उपलब्ध करवाने के लिए डी. पी. ज्वेलर्स ग्राहकों की पहली पसंद बन चुका है। यहां उपलब्ध कस्टमर फ्रेंडली बाय बैक पॉलिसी, न्यूनतम मेकिंग चार्ज, डैज़लिंग डायमंड, स्वर्ण समृद्धि जैसी स्कीम ने ग्राहकों को उनकी मनपसंद ज्वेलरी खरीदने की आज़ादी दी।

मावा बाजार इंदौर | 380 रुपए प्रति किलो। उज्जैन | 300 रुपए प्रति किलो। रतलाम | मावा सफेद 330 रुपए, पीला 320 रुपए किलो।

शकर का उत्पादन खपत से कम की आशंका, नवंबर में 13 लाख टन का कोटा

इंदौर में थोक भाव 53 से 54 रुपए प्रति किलो

व्यापार संवाददाता | इंदौर

देश में शकर की उपलब्धता का समीकरण इस बार केवल सरकारी बिक्री कोटे पर निर्भर नहीं रहेगा। नवंबर के पहले पखवाड़े के लिए खाद्य मंत्रालय ने 587 मिलों को 13 लाख मीट्रिक टन शकर का आवंटन किया है। अक्टूबर में पूरे महीने के लिए 30 लाख टन का कोटा जारी हुआ था। इसके बावजूद फिलहाल घरेलू बाजार में आपूर्ति को पुराने भंडार और नई पेराई से सहारा मिल रहा है। चिंता आगामी महीनों को लेकर है। मौजूदा सत्र में शकर का उत्पादन घरेलू मांग और खपत से कम रहने की आशंका है। ऐसे में त्योहारों के बाद शुरू होने वाली सामान्य मांग और फरवरी-मार्च तक चलने वाले लग्नसरा के सीजन के बीच उपलब्धता पर दबाव बन सकता है। इंदौर के थोक बाजार में फिलहाल शकर 53 से 54 रुपए प्रति किलो बिक रही है। आगे बाजार की दिशा सरकारी आवंटन के साथ मिलों के उत्पादन और बिक्री पर भी निर्भर करेगी। 25 अक्टूबर तक देश में करीब 4 लाख टन शकर का उत्पादन हो चुका था और 107 मिलों में पेराई शुरू हो गई थी।

मंडी में प्याज-लहसुन तेज

इंदौर | देवी अहिल्या मंडी में दीपावली के बाद प्याज-लहसुन में तेजी का रुख रह सकता है, जबकि आलू सीमित दायरे में रहेंगे। व्यापारियों के अनुसार प्याज की आवक 30 से 35 हजार कट्टे रहने और शादी-ब्याह की मांग के चलते भाव में 100 से 200 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी आ सकती है। लहसुन की आवक 4 से 5 हजार कट्टे रहने की संभावना है। पुराना भंडार कम होने और नई फसल आने में 2 से 3 महीने का समय होने से अच्छी गुणवत्ता वाले वीआईपी बॉक्स के भाव 18 हजार रुपए क्विंटल पार कर सकते हैं। आलू की आवक सामान्य रहने से भाव 800 से 1200 रुपए के दायरे में रहने की संभावना है।

जाहिर सूचना For Booking Call : 99770 94493

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा (1) दुर्गा शाह पुत्री श्री हर्ष शाह, निवासी नेमा नगर इंदौर (2) श्रीमती बरखा पति श्री पंकज कुमार जैन, निवासी ए-142, सिलीकॉन सिटी इंदौर (3) श्रीमती कृष्णासिंह पति श्री पंकज सिंह, निवासी ए-153, सिलीकॉन सिटी इंदौर (4) श्रीमती सोनम पति श्री रवि चुघ, निवासी 49, सिल्वर स्टार सिटी इन्दौर से उनकी मालकी व आधिपत्य का भूखण्ड क्रमांक 27 स्थित एस एस सिटी ग्राम निहालपुर मुण्डी तहसील राऊ जिला इन्दौर जिसका कुल क्षेत्रफल 1360 वर्गफीट है, को सर्वभार मुक्त व रिक्त स्थिति में क्रय करने का सौदा किया होकर उस पेटे सारवान बयाना राशि भी मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त विक्रेतापक्ष को अदा कर दी है। सदर सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय निकाय का कोई ऋण, भार, चार्ज, आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिन के अंदर लेखी प्रमाण सहित मिले, अन्यथा बाद मियाद के विक्रय पत्र रजिस्ट्री करवा ली जायेगी व किसी भी प्रकार की आपत्ति मेरे पक्षकार एवं उपरोक्त संपत्ति के विक्रय पर बंधनकारक नहीं रहेगी।

सावन कुमार सोनी एडवोकेट
32/2, मोती तबेला मेन रोड, गुलाबचंद वर्मा चेम्बर, द्वितीय मंजिल, इन्दौर म.प्र. मोबाईल नंबर - 9754747576, 9826044166

जाहिर सूचना

प्लाट (भूखण्ड) क्रमांक 09/ई.ए. एवं उसपर निर्मित आवासीय मकान स्थित योजना क्रमांक 54, आवासीय, सेक्टर-ई, इन्दौर म.प्र. के सम्बंध में।

सर्व सूचित हो कि, हमारे पक्षकार ने (1) श्री राजेन्द्र सिंह सिसौदिया पिता डॉ. नारायणसिंह सिसौदिया, निवासी ई.ए.-09, स्कीम नंबर 54, विजय नगर, इन्दौर म.प्र., (2) श्री संजय सिंह सिसौदिया पिता डॉ. नारायणसिंह सिसौदिया, निवासी ई.ए.-09, स्कीम नंबर 54, विजय नगर, इन्दौर म.प्र. (क्रमांक दो स्वंय के लिये व क्रमांक एक के आम मुख्त्यार नाते से), (3) श्रीमती मंजुला सिंह पति डॉ. संग्रामसिंह, निवासी साकेत नगर, इन्दौर म.प्र. (सहमति कर्ता) से उनकी मालकी व आधिपत्य का प्लाट (भूखण्ड) क्रमांक 09/ई.ए. एवं उसपर निर्मित आवासीय मकान स्थित योजना क्रमांक 54, आवासीय, सेक्टर-ई, इन्दौर म.प्र., जिसकी तल जमीन का कुल क्षेत्रफल 629.85 वर्गमीटर है। राउण्डींग 2.92 वर्गमीटर कम करने पर शुद्ध क्षेत्रफल 626.93 वर्गमीटर है, को सर्वभार मुक्त स्थिति में क्रय करने का सौदा किया होकर उस पेटे सारवान बयाना राशि भी हमारे पक्षकार ने उक्त विक्रेता को अदा कर दी है। सदर सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय निकाय का कोई ऋण, भार, चार्ज, आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिन के अंदर लेखी प्रमाण सहित मिले, अन्यथा बाद मियाद के योग्य लिखा पढ़ी करवा ली जायेगी व किसी भी प्रकार की आपत्ति हमारे पक्षकार एवं उपरोक्त सम्पत्ति के विक्रय पर बंधनकारक नहीं रहेगी।

पं. देवीप्रसाद शर्मा,
पं. अरविन्द शर्मा "जैमन" (एडव्होकेट्स)
जी /1-2, रॉयल कोर्ट चेम्बर, 28/1 मोती तबेला इंदौर मो. : 98260-72702 , 99263-33393

कार्यालय नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

N.I.T क्र. 07 (E.T.) / रा.कि./न.पा.नि./2026-27   सतना, दिनांक 27.10.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम सतना में विभिन्न स्थानों में स्ट्रीट लाइट पोलो पर विज्ञापन हेतु लम्प-सम दर पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जा रही है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	निविदा क्र. व दि.	टे.क्र.	सड़क / मार्ग का नाम	स्ट्रीट लाइट पोलो की संख्या	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
01	07 27.10.2026	2026_UAD_545726_1	निगम क्षेत्रान्तर्गत पूर्व से स्थापित स्ट्रीट लाइट पोलो पर विज्ञापन कियोस्क हेतु निविदा आमंत्रण।	964	1,07,45,849/-	26,86,500/-	12,500/-	03 वर्ष

शर्त :- 1. निविदा प्रपत्र वेबसाईट **http://www.mptenders.gov.in** पर दिनांक 28.10.2026 समय 15:30 से दिनांक 28.11.2026 समय 17:30 बजे तक आनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेगा। 2. निविदा में संसोधन की सूचना वेबसाईट पर ही प्रकाशित की जावेगी, समाचार पत्र पर संसोधन की सूचना प्रकाशित नही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम, सतना (म.प्र.)

Bank of India रिश्तों की जमापूंजी *Relationship beyond banking*

आस्ति वसूली शाखा, आंचलिक कार्यालय प्लॉट नंबर 9-आरसी, स्कीम नंबर 134, एम. आर-10 इंदौर (म.प्र.) 452010
फोन नम्बर 0731-2445122, 212
Email: arb.indore@bankofindia.bank.in

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

ई-नीलामी विक्रय सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

आल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाले/जमानतदारों को यह नोटिस दिया जाता है कि निम्न वर्णित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित अचल संपत्ति जो **प्रतिभूत लेनदार (बैंक ऑफ इंडिया)** के पास गिरवी / प्रभारित है, जिसका सांकेतिक/भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है''** के आधार पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 2 में उल्लिखित ऋणी एवं जमानतदारों से बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार) की निम्नलिखित तालिका के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि की वसूली हेतु **दिनांक 09.12.2026** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं जमा योग्य अग्रिम धनराशि तालिका के कॉलम 6 व 7 में क्रमश: दी गई है।

ई-नीलामी दिनांक 09.12.2026 को प्रात: 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

शाखा का नाम (1)	ऋणी / जमानतदार का नाम (2)	संपत्ती का विवरण व स्वामी का नाम (3)	मांग सूचना 13(2) के तहत मांग नोटिस दिनांक व बकाया राशि (4)	आधिपत्य की दिनांक व प्रकार (5)	आरक्षित राशि (रू.) (6)	ईएमडी (7)
शाखा एआरबी इन्दौर	**उधारकर्ता 1. मेसर्स माँ कृपा ट्रेडर्स प्रोपराईटर:- श्री सूरज कटारिया पिता ओमप्रकाश कटारिया, पता:** 12/2, पटेल ब्रिज के नीचे, जवाहर मार्ग, सियागंज, जिला इंदौर, मध्य प्रदेश-452001 **2. श्री सूरज कटारिया पिता ओमप्रकाश कटारिया (प्रोपराईटर-बंधककर्ता), पता:** हाउस नंबर 47-सीबी, आईडीए स्कीम नंबर 78, विजय नगर, जिला:- इंदौर, मध्य प्रदेश - 452010	आवासीय भूमि पर निर्मित भवन संपत्ति के समस्त भू भाग व अंश मकान नंबर 47-सीबी, आईडीए स्कीम नंबर 78, विजय नगर, जिला इंदौर, मध्य प्रदेश; जिसका कुल क्षेत्रफल 330.64 वर्ग मीटर या 3559 वर्ग फुट, **संपत्ति मालिक:** श्री सूरज कटारिया पिता श्री ओमप्रकाश कटारिया, संपत्ति की **चतुर्सीमा** (लीज डीड के अनुसार): **पूर्व:** प्लॉट नंबर 48 स्कीम नंबर 78 अरण्य, **पश्चिम:** 9 मीटर चौड़ी सड़क, **उत्तर:** प्लॉट नंबर 33/बी-1 स्कीम नंबर 78 अरण्य, **दक्षिण:** 7.5 मीटर चौड़ी सड़क	15.05.2026 ₹ 10,23,63,893.64 + ब्याज एवं अन्य खर्च	12.10.2026 सांकेतिक	₹ 520.00 लाख	₹ 52.00 लाख

क्रेता के द्वारा स्टाम्प शुल्क, बिक्री प्रमाण पत्र शुल्क, पंजीकरण शुल्क, टी.डी.एस. सरकार को देय सभी वैधानिक बकाया, कर और दरों और संपत्तियों से संबंधित कोई अन्य खर्च, मौजूदा और भविष्य, दोनों के लिए देय होगा। बिक्री प्रमाण पत्र केवल सफल बोलीदाता के नाम से ही जारी किया जाएगा।

ई-नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाईट **https://baanknet.com** बोलीकर्ता **https://baanknet.com**, नियम व शर्तों की अधिक जानकारी हेतु शैक्षणिक वीडियो के साथ देख सकते है। बोलीकर्ता को पूर्व में ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी से संबंधित सभी जानकारी ई-नीलामी दिनांक से पहले ही प्राप्त कर लेने की सभी जवाबदारी बोलीकर्ता की रहेगी।
ए. सफल बोलीकर्ता को घोषणा के तुरंत बाद बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) जमा करना होगा।
बी. नीलामी- बिक्री की कार्यवाही में बैंकिंग लेनदेन का समय समाप्त होने के पश्चात, खरीद मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) अगले कार्य दिवस तक जमा कराना होगा।
सी. बिक्री मूल्य की शेष राशि का भुगतान बिक्री की दिनांक से 15 वें (पंद्रहवें) दिन के भीतर जमा किया जाना होगा।
डी. उपर उल्लिखित अवधि के भीतर भुगतान न करने पर, जमा और बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा।
इ. सफल बोलीकर्ता की यह जिम्मेदारी होगी की आयकर अधिनियम की धारा **194-IA** के तहत लागू 1% की दर से टीडीएस जमा करना होगा, यदि इस तरह के प्रतिफल के लिए जमा या भुगतान की गई राशि का योग रु. 50 लाख या अधिक है। टीडीएस को फार्म **26QB** आनलाईन भरकर जमा कराना होगा और टीडीएस सर्टिफिकेट फार्म **16B** में जारी करना होगा। खरीदार को सरकारी खाते मे आयकर जमा करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
एफ. बोली केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत की जाएगी।
जी. प्राधिकृत अधिकारी का उक्त ई-नीलामी को बिना किसी कारण बताए रद्द करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा।
एच. आरक्षित मूल्य से कम से कम एक वृद्धि राशि जोड़ने पर ही बोली स्वीकार होगी।

दिनांक: 30.10.2026, स्थान: इन्दौर   प्राधिकृत अधिकारी: बैंक ऑफ इंडिया

पश्चिम रेलवे
तृतीय शुद्धिपत्र

निविदा सूचना संख्या: DyCE-C-44ND-RKGC-EPC-2 वर्तमान निविदा बंद होने की तिथि और समय: 30.10.2026 को 15:00 बजे संशोधित निविदा बंद होने की तिथि और समय: 14.11.2026 को 15:00 बजे अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी। 0766

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

न्यायालय तहसीलदार तहसील भिचौलीहप्सी जिला इन्दौर (म.प्र.)

क्रमांक: 629/री-तह/2026   इन्दौर, दिनांक: 27.10.2026
न्या. कले. महो. प्र.क्र.-0033/अ-20(5)/2026-27
न्या. उपखण्ड अधि. महो. प्र.क्र. 0004/अ-20(5)/2026-27
न्या. तहसीलदार प्र.क्र. ...../अ-20(5)/2026-27

::उद्घोषणा::

एतद् द्वारा साधारण को सूचित किया जाता है कि आयुक्त नगर पालिक निगम इन्दौर के द्वारा ग्राम देवगुराड़िया स्थित भूमि सर्वे नम्बर 59 रकबा 2.2710 हे. भूमि में से 0.160 हे. भूमि उच्च स्तरीय पानी की टंकी एवं डिस्ट्रीब्यूशन पाईपलाईन निर्माण हेतु भूमि का आवंटन, नजूल निर्वतन निर्देश 2020 के प्रावधानों के तहत आवेदन पत्र निर्धारित प्रारुप में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भूमि के आवंटन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/ट्रस्ट को कोई आपत्ति हो, तो प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 13/11/2026 तक अपनी आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से तहसील न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। बाद मियाद अवधि आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/10/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

तहसीलदार
तहसील भिचौलीहप्सी, जिला इन्दौर

WEST BENGAL ESSENTIAL COMMODITIES SUPPLY CORPORATION LTD.
(A GOVT. OF WEST BENGAL UNDERTAKING)
11A, Mirza Ghalib Street, Kolkata-700 087

CORRIGENDUM

Memo No.: ECSC/ICDS/2026/483/2190   Date: 30.10.2026

২১.১০.২০২৬ তারিখের Memo No. ECSC/ICDS/2026/483/2189-এ প্রকাশিত EOI বিজ্ঞপ্তির ধারাবাহিকতায় জানানো যাচ্ছে যে, ICDS প্রকল্পের অধীনে দুই বছরের জন্য মসুর ডাল, সরিষার তেল, আয়োডিনযুক্ত লবণ এবং অন্যান্য অনুমোদিত খাদ্যসামগ্রী সরবরাহের জন্য যোগ্য সংস্থাগুলির কাছ থেকে আবেদন আহ্বান করা হয়েছে।
উক্ত বিজ্ঞপ্তি এখন **www.wbecscegovernance.com**-এর পরিবর্তে **www.wbecsc.com** ওয়েবসাইটে পাওয়া যাবে।
মূল বিজ্ঞপ্তির অন্যান্য সকল শর্ত ও নিয়ম অপরিবর্তিত থাকবে।

Sd/-
Managing Director
WBECSC Ltd.

न्यायालय अपर तहसीलदार तहसील जूनी इन्दौर जिला इन्दौर म.प्र.

क्रमांक/84/ रीडर/2026   इन्दौर दिनांक 15/10/2026
कलः कार्या. का प्र.क्र. 0022/अ-20(2)/2026-27
अनु. विभा. कार्या. का प्र.क्र. 0009/अ-20(2)/2026-27
तह.कार्या. का प्र.क्र. 000/अ-20(2)/2026-27

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **इन्दौर विकास प्राधिकरण इन्दौर पता-7 रेसकोर्स रोड आय.डी.ए. बिल्डिंग कस्बा इन्दौर तहसील जूनी इन्दौर जिला इन्दौर मध्य प्रदेश मोबाईल नम्बर 9425904400** द्वारा **ग्राम लसूडियामोरी** स्थित भूमि सर्वे नम्बर 01 रकबा 1.437, 206/334 रकबा 0.328 हेक्टेयर **(ब्लॉक नम्बर एफ.पी.-446-ए)** भूमि पर **प्रधान मंत्री आवास योजना शहरी हेतु** भूमि के **हस्तांतरण/स्थायी पट्टे** पर आवंटन किये जाने हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के आवेदन पत्र पर यदि किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन से 15 दिवस में इस न्यायालय में उपस्थित होकर मय प्रमाण के प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक /10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

अपर तहसीलदार,
तहसील जूनी इंदौर

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र, समग्र शिक्षा अभियान जिला - खरगोन म.प्र.
बी.टी.आई. परिसर बावड़ी बस स्टैंड, खरगोन
Phone No. (0) 07282-235802
Web site : www.educationportal3.in/ Email : apczskkgn@gmail.com
क्र./जिशिके./अकादमिक/निविदा/2026/1981   खरगोन, दिनांक 30.10.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

जिला शिक्षा केंद्र समग्र शिक्षा अभियान जिला खरगोन में परीक्षा की गोपनीय सामग्री के मुद्रण कार्य एवं अन्य सामग्री की निविदा सत्र 2026-27 एवं 2027-28 हेतु पंजीकृत निविदाकारों से ऑनलाइन निविदाएँ कार्यालयीन निविदा विज्ञप्ति क्र./2026_RSK_546201_1/जि.शि.के./अकादमिक/2026/खरगोन, दिनांक 29.10.2026 समय प्रातः 11 बजे से दिनांक 16.11.2026 समय सायं 5:30 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारो को मध्य प्रदेश शासन के ई-निविदा पोर्टल www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध होगी। जानकारी केवल उपरोक्त अनुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।

निविदा के सम्बन्ध मे संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है -

क्रं.	विवरण	तिथि	रिमार्क
1	ऑनलाइन टेंडर (निविदा का प्रकाशन एवं डाउनलोड करना)	29.10.2026 समय प्रातः 11 बजे	
2	ऑनलाइन टेंडर (निविदा जमा करने की अंतिम तिथि)	16.11.2026 सायं 5:30 बजे	
3	ऑनलाइन टेंडर (निविदा खोलने की तिथि)	17.11.2026 प्रातः 11:00 बजे	

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केंद्र, खरगोन

न्यायालय अपर तहसीलदार तहसील जूनी इन्दौर जिला इन्दौर (म.प्र.)

क्र: 80/रीडर/2026   इंदौर, दिनांक: 15.10.2026
कल. कार्या. का प्र.क्र.: 0043/अ-20(5)/2026-27
अनु. विभा. कार्या का प्र.क्र.: 0010/अ-20(5)/2026-27
तह.कार्या का प्र.क्र.: 000 /अ-20(5)/2026-27

::उद्घोषणा::

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **आयुक्त नगर पालिका निगम इन्दौर पता-ग्राम कैलोदहाला तहसील जूनी इन्दौर, जिला इन्दौर, मध्य प्रदेश, मोबाईल नम्बर 9425059124** द्वारा ग्राम **कैलोदहाला** स्थित भूमि सर्वे नम्बर 245/2, 288/2 कुल रकबा क्रमशः 1.200, 0.704 में से रकबा 1.200, 0.7040 हेक्टेयर भूमि पर **प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 कैन्द्र शासन की किफायती आवास निर्माण योजना हेतु** भूमि के हस्तांतरण/ स्थायी पट्टे पर आवंटन किये जाने हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है।

अतः आवेदक के आवेदन पत्र पर यदि किसी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति विज्ञप्ति प्रकाशन से 15 दिवस में इस न्यायालय में उपस्थित होकर मय प्रमाण के प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

अपर तहसीलदार,
तहसील जूनी, इन्दौर

कार्यालय, नगर पंचायत कूंरा, जिला - रायपुर (छ.ग.)
e-mail - npkunra2016@gmail.com

क्र./1011/ लो.नि.वि./ न.पं./2026-27   कूंरा, दिनांक 28.10.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (1st Call)
Main : Portal : http://eproc.cgstate.gov.in
UADD Portal : http://uad.cg.gov.in

नगर पंचायत कूंरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा ऑनलाईन करने की प्रारंभिक / अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	202887	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Kunra under SBM 2.0 (1st Call)	238.14	1.50	प्रारंभिक तिथि 28.10.2026 अंतिम तिथि 20.11.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल **http://eproc.cgstate.gov.in** अथवा विभागीय वेबसाइट **http://uad.cg.gov.in** से भी देखी / डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कूंरा
रायपुर (छ.ग.)